Success story of RKVY Project in Uttarakhand

1. Project Name : Improving the Livelihood of Sheep Breeders Using 05 Mobile Veterinary Vans on Migratory Routes.

2. Implementing Department : **Uttarakhand Sheep & Wool Development Board Animal Husbandry Department.**

3. Area Covered : Pithoragarh, Bageshwar, Chamoli, Tehri Garhwal & Uttarkashi and all 05 migratory routes of shepherds

4. Background & Objective :

The project was conceptualized to promote Sheep and Goat husbandry in higher reaches of Uttarakhand and to facilitate the shepherds at the time of migration as most of the sheep and goat flocks are migratory in nature. Shepherds are nomadic throughout the year starting from alpine pasture to tarai bhawar areas of the state for their livelihood. The project aims to provide healthcare and machine shearing to the Sheep and Goat by organizing treatment/ vaccination/ shearing camps at migratory routes and at the time of return of animals from alpine pastures and tarai areas.

- To provide veterinary facilities like treatment, vaccination, dipping, drenching etc. to the sheep and goat farmers during their upward and downward migration.
- To promote Sheep and Goat husbandry by providing machine shearing and healthcare facility in their migratory routes and end stations at their door step.
- To propagate Sheep and Goat husbandry and allied business in Uttarakhand by providing healthcare facilities.
- To educate shepherds regarding benefits of machine wool shearing over traditional hand shearing.
- To evolve an integrated approach towards superior quality of wool production.
- To develop self employment in Sheep and Goat husbandry.

5. Intervention :

I. Five Mobile Veterinary Van (Fully equipped) for migratory routes

- Fully equipped 05 Mobile Veterinary Vans were flagged off by Hon. Minister Animal Husbandry Shri Pritam Singh Panwar Ji on the State Foundation Day 09th November 2015.
- The mobile vans are plying in the sheep dense populated districts of Pithoragarh, Bageshwar, Chamoli, Tehri Garhwal and Uttarkashi.
- These Mobile Vans are equipped with inverter for light system, loudspeaker system for advertising organization of shearing/treatment camps and a GPS tracking system for continuous monitoring at USWDB Head Quarter.

II. Machine Wool Shearing, primary grading, and Health care facility by camps on migratory routes

- The mobile vans are equipped with shearing machine along with generator for organization of machine shearing camps.
- Facilities of microscope and laboratory diagnosis like faecal, urine, blood, skin scraping examination are available.
- Health care facilities like deworming, dipping and treatment are also being made available.
- To promote awareness about highly infectious diseases like PPR and FMD, vaccination for sheep and goat is being encouraged through availability of vaccine carrier to maintain proper cold chain facility in the mobile veterinary vans.
- Facilities of Artificial Insemination are also being provided at the door step of the farmers through availability of AI straws and nitrogen containers in the mobile van.

6. Outcome : Progress report from Nov. 2015 to July 2016

S. No.	Component	Pithoragarh	Bageshwar	Uttarkashi	Chamoli	Tehri	Total
1	No. of camps	120	132	77	133	129	**591**
2	Farmers benefitted	998	2910	757	2362	1519	**8546**
3	Animals benefitted	8827	22977	8693	27756	12970	**81223**
4	Treatment	4263	2468	2725	6909	3388	**19753**
5	Vaccination	2756	4857	750	5200	2241	**15804**
6	Castration	10	94	24	88	214	**430**
7	Drenching	5496	8121	2781	8771	6585	**31754**
8	Dipping	4682	8430	3950	7953	5715	**30730**
9	A.I.	-	9	-	-	-	**9**
10	Lab. Diagnosis	-	76	-	-	20	**96**
11	Levy in Rs.	38054	37677	21859	49341	35427	**182358**

7. Case Study:

The implementation of 05 fully equipped mobile veterinary vans is a blessing for the farmers in the remote hilly regions of Uttarakhand where availability of transport is infrequent and the farmers have to traverse long distances for veterinary aid. The farmers are availing facilities provided by the mobile veterinary vans even on emergency hours as the vans are committed in covering the length and breadth of the concerned district.

Mobile Veterinary Vans are covering remotest unapproachable areas of the district through its weekly route program.

Since its inception more than 8500 farmers and 81223 animals have been benefitted so far through services of these 05 vans.

8. Photographs:

प्रीतम सिंह पंवार
मा0 पशुपालन मंत्री,
उत्तराखण्ड सरकार

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस 09 नवम्बर 2015

के शुभ अवसर पर

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY), भारत सरकार

से वित्तपोषित

उत्तराखण्ड राज्य के भेड़-बकरीपालकों एवं अन्य पशुपालकों के सहायतार्थ 05 सुसज्जित सचल पशुचिकित्सा वाहनों का शुभारम्भ

उद्देश्यः

- उत्तराखण्ड राज्य के भेड़ बाहुल्य जनपदों पिथौरागढ़, बागेश्वर, उत्तरकाशी, चमोली एवं टिहरी गढ़वाल में भेड़-बकरीपालकों के पशुओं को पशुचिकित्सा सेवाएं, स्वास्थ्य रक्षा, टीकाकरण, दवापान, दवास्नान, बधियाकरण आदि की सुविधाएं उपलब्ध कराना।
- ग्रीष्मकालीन, शीतकालीन प्रवास एवं प्रवर्जन मार्गो पर यात्रा के दौरान उपरोक्त पांच जनपदों के अतिरिक्त अल्मोड़ा, नैनीताल, चम्पावत, उधमसिंहनगर, रुद्रप्रयाग, पौड़ी, देहरादून, हरिद्वार जनपदों में भेड़-बकरीपालकों को पशुचिकित्सा, स्वास्थ्य रक्षा, टीकाकरण, दवापान, दवास्नान, बधियाकरण तथा मशीन द्वारा ऊन कतरन की सुविधाएं उपलब्ध कराना।
- शिविरों के माध्यम से पशुचिकित्सा रोग निदान हेतु प्रयोगशाला जांच की सुविधा पशुपालकों को उपलब्ध कराना।
- विषेशज्ञो द्वारा पशुपालकों को नवीनतम तकनीकी जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान करना।
- मशीन द्वारा ऊन कतरन की उपयोगिता के सम्बन्ध में प्रशिक्षण प्रदान करना।

वाहन में उपलब्ध सुविधाएंः

- सचल पशुचिकित्सा वाहन, वैक्सीन हेतु कोल्डचैन बनाये रखने के उद्देश्य से वैक्सीन कैरियर, स्थल पर प्रारम्भिक प्रयोगशाला जांच की सुविधा हेतु माइक्रोस्कोप, उपकरण एवं रसायन, ऊन कतरन मशीन चलाने हेतु जनरेटर, लाइट की व्यवस्था हेतु इनर्वटर, चिकित्सा सुविधा हेतु औषधि एवं अन्य सामाग्रियों की व्यवस्था आदि से सुसज्जित की गयी है।
- वाहन के सदुपयोग को सुनिश्चित करने एवं दूरस्थ क्षेत्रों के भेड़-बकरीपालकों एवं अन्य पशुपालकों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से GPS Tracking System का प्रावधान किया गया है।
- शिविरों के आयोजन के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से वाहन स्पीकर की सुविधा से सुसज्जित है।

उत्तराखण्ड सरकार

उत्तराखण्ड भेड़ एवं ऊन विकास बोर्ड
पशुपालन विभाग उत्तराखण्ड

पशुधन भवन, मोथरोवाला, देहरादून
फोन : 0135-2532926 फैक्स : 2532816 E-mail: ceo.uswdb@yahoo.com

जनपदवार सुसज्जित सचल पशुचिकित्सा वाहनों का रूट चार्ट

मुख्यालय–पिथौरागढ़	सचल पशुचिकित्सा वाहन संख्या : UK07GA1583
मार्ग – 1	मुख्यालय–गंगोलीहाट–बेरीनाग–डीडीहाट–अस्कोट–मुख्यालय
मार्ग – 2	मुख्यालय–कनालीछीना–जौलजीवी–धारचूला–पांगू–मुख्यालय
मार्ग – 3	मुख्यालय–तेजम–बारापट्टा–मुनस्यारी–मदकोट–बरम–मुख्यालय
मार्ग – 4	मुख्यालय–जाख–मुनाकोट–झूलाघाट–मुख्यालय
भेड़–बकरीपालकों के प्रवर्जन मार्ग	जनपद पिथौरागढ़–चम्पावत–नैनीताल–उधमसिंहनगर
सम्पर्क करें: मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी, पिथौरागढ़ 05964–225319 0135–2532926, 2532816 (शीप बोर्ड)	

मुख्यालय–बागेश्वर	सचल पशुचिकित्सा वाहन संख्या : UK07GA1586
मार्ग – 1	मुख्यालय–मन्तोली–काण्डा–खातीगांव–घिंघारतोला–कमेडी देवी–मुख्यालय
मार्ग – 2	मुख्यालय–भनार–शामा–लीती–गोगिना–हम्टी कापड़ी–मुख्यालय
मार्ग – 3	मुख्यालय–बज्यूला–जखेड़ा–पइयां–घिरतोली–शांतिबाजार–मुख्यालय
मार्ग – 4	मुख्यालय–रिखाड़ी–सूपी–चौड़ास्थल–कर्मी–सोराग–बदियाकोट–मुख्यालय
भेड़–बकरीपालकों के प्रवर्जन मार्ग	जनपद बागेश्वर–अल्मोड़ा–नैनीताल
सम्पर्क करें: मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी बागेश्वर 05963–221475 0135–2532926, 2532816 (शीप बोर्ड)	

मुख्यालय–उत्तरकाशी	सचल पशुचिकित्सा वाहन संख्या : UK07GA1582
मार्ग – 1	मुख्यालय–नैटवाड़–सांकरी–दोणी–भितरी–मोरी–आराकोट–मुख्यालय
मार्ग – 2	मुख्यालय–संगम चट्टी–लाटा–जखोल–झाला–हर्षिल–बगोरी–मुख्यालय
मार्ग – 3	मुख्यालय–सरनौल–हनुमानचट्टी–कफनौल–पुरोला–कन्ताड़ी–मुख्यालय
मार्ग – 4	मुख्यालय–भराणगांव–पंज्याला–रनाड़ी–चिन्यालीसौड–भवान–मुस्टिकसौड–मुख्यालय
भेड़–बकरीपालकों के प्रवर्जन मार्ग	जनपद उत्तरकाशी–टिहरी गढ़वाल–देहरादून
सम्पर्क करें: मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी उत्तरकाशी 01374–222320 0135–2532926, 2532816 (शीप बोर्ड)	

मुख्यालय–चमोली	सचल पशुचिकित्सा वाहन संख्या : UK07GA1585
मार्ग – 1	मुख्यालय–उर्गम घाटी–माणा घाटी–नीति घाटी–मुख्यालय
मार्ग – 2	मुख्यालय–कुंजो मैकोट–निजमुला घाटी–सारतोली–पोखरी–कर्णप्रयाग–मुख्यालय
मार्ग – 3	मुख्यालय–सुतोल–कनोल–भेटी–मुख्यालय
मार्ग – 4	मुख्यालय–बाण–मुन्दोली–घेस–देवाल–मुख्यालय
भेड़–बकरीपालकों के प्रवर्जन मार्ग	जनपद चमोली–रूद्रप्रयाग–पौड़ी गढ़वाल
सम्पर्क करें: मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी चमोली 01372–252273 0135–2532926, 2532816 (शीप बोर्ड)	

मुख्यालय–टिहरी गढ़वाल	सचल पशुचिकित्सा वाहन संख्या : UK07GA1584
मार्ग – 1	मुख्यालय–फकोट–गजा–चाका–मुख्यालय
मार्ग – 2	मुख्यालय–पीपलडाली–घनसाली–घुत्तू–घनसाली–विनकखाल–बूढ़ाकेदार–मुख्यालय
मार्ग – 3	मुख्यालय–कैम्पटी–नैनबाग–पंतवाड़ी–परोगी–म्याणी–थत्यूड़–चम्बा–मुख्यालय
मार्ग – 4	मुख्यालय–देवप्रयाग–कीर्तिनगर–बड़ियारगढ़–हिण्डोलाखाल–जाखणीधार–मुख्यालय
भेड़–बकरीपालकों के प्रवर्जन मार्ग	जनपद टिहरी गढ़वाल–पौड़ी गढ़वाल–देहरादून–हरिद्वार
सम्पर्क करें: मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी टिहरी गढ़वाल 01378–227296 0135–2532926, 2532816 (शीप बोर्ड)	

09.11.2015 08:59

Uttarkashi
Tehri
Chamoli
Bageshwar
Pithoragarh
Dehradun
Rishikesh
Roorkee
Muzaffarnagar

****